भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 3645

24 मार्च, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

मौखिक स्वास्थ्य और दंत रोग के रोकथाम के लिए राष्ट्रीय रणनीति

3645. डा. अजित माधवराव गोपछड़े:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को यह जानकारी है कि दंत क्षय, मसूड़ों की बीमारी, मुँह का कैंसर और दंतहीनता विशेष रूप से ग्रामीण और अल्पसेवित क्षेत्रों में एक बड़ा और बढ़ता हुआ सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या बन चुके हैं;
(ख) क्या सरकार दंत पेशेवरों की कमी और उच्च उपचार लागत को दूर करके वहनीय दंत चिकित्सा की सुलभता में सुधार करने का विचार रखती है;
(ग) क्या राष्ट्रव्यापी महामारी विज्ञान सर्वेक्षण, व्यवहारिक और आहार संबंधी अंतःक्षेपों, तथा लक्षित मुँह का कैंसर रोकथाम और प्रारंभिक पहचान संबंधी कार्यक्रमों को सुदृढ़ किया जा रहा है; और
(घ) क्या रोकथाम और लागत-प्रभावी देखभाल के समर्थन हेतु मौखिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए देशी औषधीय पादपों के अनुसंधान और प्रमाणन को बढ़ावा दिया जा रहा है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्यमंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (घ): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत कार्यान्वित राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनओएचपी) और राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) संचालित किए जा रहे हैं जिसका उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना को सुदृढ़ करना और पूरे देश में सुलभ, किफायती और गुणवत्तापूर्ण मुख स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना है। वर्ष 2007 के मुख स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, मुख संबंधी रोगों में क्षय दंत, मसूड़ों के रोग, फ्लोरोसिस और मुख में दांतों का न होना शामिल हैं। यह कार्यक्रम जिला अस्पतालों, उप-जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों सहित जन स्वास्थ्य सुविधा-केन्द्रों में मानव संसाधन, उपकरण, उपभोग्य सामग्री, क्षमता निर्माण और सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) कार्यकलापों को सहायता प्रदान करता है। विद्यालय और महाविद्यालय के छात्रों के लिए जागरूकता संबंधी कार्यकलाप भी आयोजित किए जाते हैं।

यह कार्यक्रम राज्य की आवश्यकताओं के आधार पर अवसंरचना, औषधियाँ, निदान उपकरण और प्रशिक्षित मानव संसाधन जैसे दंत शल्य चिकित्सक, स्वच्छता विशेषज्ञ, सहायक और तकनीशियन उपलब्ध कराता है।

इसके अतिरिक्त, यह कार्यक्रम समग्र मुख स्वास्थ्य परिचर्या सेवाएं भी प्रदान करता है, जिनमें निवारक, नैदानिक और उपचारात्मक प्रक्रियाएं जैसे स्केलिंग, फिलिंग, रूट कैनाल उपचार, दांत निकालना और मैक्सिलोफेशियल ट्रॉमा तथा मुख के पूर्व-कैंसर की स्थिति का उपचार भी शामिल हैं।

राष्ट्रीय संसाधन केंद्रों के माध्यम से इन कार्यक्रमों को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाता है, जो प्रशिक्षण, अनुसंधान, जागरूकता, आरंभिक जांच और पहचान संबंधी कार्यनीतियों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे कार्यबल की क्षमता बढ़ती है और भारत में मुख से संबंधित रोगों का समग्र रोग-भार कम होता है। संसाधन केंद्रों के मुख्य उद्देश्यों में से एक आयुष मंत्रालय के साथ समन्वय स्थापित करके मुख संबंधी संभावित घातक विकारों का चिकित्सा व्यवस्था करना भी है। इसके अतिरिक्त, आयुष मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड, 'औषधीय पादपों का संरक्षण, विकास और सतत प्रबंधन' पर अपनी केंद्रीय क्षेत्र योजना के माध्यम से, देश भर में सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों और संगठनों के साथ परियोजना मोड में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति में उपयोग किए जाने वाले औषधीय पादपों के अनुसंधान और पुष्टि सहित औषधीय पादपों के विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों को सहायता प्रदान करता है।

*****